भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- #1738

उत्तर देने की तारीख- 21/12/2022

जनजातीय विकास रिपोर्ट, 2022 में सुझाव

1738 # श्रीमती फूलो देवी नेतम:

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में कुल कितने अनुसूचित जनजाति बहुल जिले हैं और उनमें से कितने जिले वन क्षेत्र, पहाड़ी या मरूस्थलीय क्षेत्रों के अंतर्गत आते हैं, तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार उक्त जनजातीय बहुल जिलों के विकास के लिए कोई पृथक कार्यक्रम चला रही है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) भारत ग्रामीण आजीविका फाउंडेशन (बीआरएलएफ) द्वारा जारी जनजातीय विकास रिपोर्ट, 2022 में सरकार को दिए गए सुझावों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्य मंत्री

(श्रीमती रेणुका सिंह सरुता)

(क): जनजातीय बाहुल्य जिलों (≥ 50% अनुसूचित जनजाति आबादी) की संख्या और उनमें से वन एवं पहाड़ी क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले जिलों की संख्या का राज्यवार ब्यौरा **अनुलग्नक** में दिया गया है।

(ख) तथा (ग): जनजातीय कार्य मंत्रालय देश में जनजातीय आबादी के उत्थान के लिए अन्य बातों के साथ-साथ जनजातीय बाहुल्य जिलों सहित निम्नलिखित प्रमुख योजनाओं का कार्यान्वयन कर रहा है।

- प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना (पीएमएएजीवाई)
- एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस)
- अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिए कार्यरत स्वैच्छिक संगठनों को सहायता अनुदान
- प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन (पीएमजेवीएम)
- विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) का विकास

इसके अलावा, जनजातीय उप-योजना (टीएसपी)/अनुसूचित जनजाति घटक (एसटीसी)/एसटी के लिए विकास कार्य योजना (डीएपीएसटी) के तहत 41 केन्द्रीय मंत्रालय/विभाग, जनजातीय विकास के लिए टीएसपी/एसटीसी/डीएपीएसटी निधियों के रूप में प्रतिवर्ष अपने कुल योजना आबंटन का कुछ प्रतिशत निर्धारित कर रहे हैं। देश में अनुसूचित जनजातियों के त्वरित सामाजिक -आर्थिक विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सिंचाई, सड़क, आवास, पेयजल, विद्युतीकरण, रोजगार सृजन, कौशल विकास आदि से संबंधित विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए विभिन्न केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों द्वारा अपनी स्कीमों के अंतर्गत डीएपीएसटी निधियां खर्च की जाती हैं।

(घ): मंत्रालय को ऐसी किसी रिपोर्ट की जानकारी नहीं है।

अनुलग्नक

'जनजातीय विकास रिपोर्ट, 2022 के सुझाव' के संबंध में श्रीमती फूलो देवी नेतम द्वारा पूछे जाने वाले राज्य सभा अतारांकित प्रश्न संख्या # 1738 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

जनजातीय बाहुल्य जिलों और उनमें से वन व पहाड़ी क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले जिलों की राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार संख्या

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	जनजातीय बहुल जिले (≥ 50% अनुसूचित जनजातीय जनसंख्या)	वन जिले $	पहाड़ी जिले
1	अरुणाचल प्रदेश	13	13	13
2	असम	2	2	2
3	छत्तीसगढ	10	3	0
4	गुजरात	6	1	0
5	हिमाचल प्रदेश	2	0	2
6	जम्मू और कश्मीर	2	0	2
7	झारखंड	5	0	0
8	मध्य प्रदेश	6	0	0
9	महाराष्ट्र	1	0	0
10	मणिपुर	5	5	5
11	मेघालय	7	7	7
12	मिजोरम	8	8	8
13	नागालैंड	11	11	11
14	ओडिशा	8	2	0
15	राजस्थान	3	0	0
16	सिक्किम	1	0	1
17	त्रिपुरा	1	1	1
18	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	1	1	0
19	दादर और नगर हवेली व दमन व दीव	1	0	0
20	लक्षद्वीप	1	1	0
	कुल	94	55	52

स्रोत: जनजातीय बहुल जिलों के लिए: जनगणना 2011, भारतीय महापंजीयक का कार्यालय,
वन और पहाड़ी जिलों के लिए: भारतीय वन सर्वेक्षण, रिपोर्ट 2021 ।

$ वन जिले के रूप में लिया गया जहां जिले का 50% से अधिक क्षेत्र वन आच्छादित है।

*****